2024

HINDI — HONOURS

Paper : CC-3

(Aadikaleen evam Madhyakaleen Hindi Kavita)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता)

1. निम्नलिखित सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) विद्यापति का रचनाकाल तथा काव्यभाषा बताइए।

(ख) जायसी द्वारा प्रयुक्त दो छंदों के नाम लिखिए।

(ग) 'संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे'– इस पंक्ति के रचनाकार कौन हैं तथा किसकी आँधी आई है?

(घ) 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है तथा उस कृति का प्रमुख रस क्या है?

(ङ) सूरदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम बताइए।

(च) मीरा की किसी एक रचना का नाम बताइए तथा उनके काव्य में कौन-सा रस है?

(छ) 'अजौं तरौना ही रह्यौ श्रुति सेवत इक-अंग।'– यह किस कृति की पंक्ति है तथा किस छंद में है?

(ज) घनानंद ने 'सुजान' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है तथा वे किस राजा के दरबारी कवि थे?

(झ) रहीम का पूरा नाम बताते हुए उनकी किसी एक कृति का नाम लिखिए।

(ञ) रसखान की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10×3

(क) 'विद्यापति प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं'– इस कथन का विवेचन कीजिए।

(ख) सूरदास के काव्य में वर्णित वात्सल्य भावना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

(ग) तुलसीदास की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

(घ) रहीम की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ङ) रसखान की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए।

3. किन्हीं ***तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3

(क) कबीर के 'राम'।

(ख) जायसी की भाषा।

(ग) 'मैं तो साँवरे के रंग राँचीं'– में निहित भाव-सौंदर्य।

(घ) बिहारी की भक्तिचेतना।

(ङ) घनानंद का विप्रलम्भ शृंगार।